

रेलवे मन्त्रालय में उपमन्त्री (श्री सै० वें० रामस्वामी) : (क) और (ख). गुजरात सरकार के कहने पर पालनपुर के पास वर्तमान समपार नं० १६८ की जगह ऊपरी सड़क-पुल (Road Over-Bridge) बनाने की योजना अन्तिम रूप से रेलवे के १९६३-६४ के निर्माण-कार्यक्रम में शामिल कर ली गयी है। इस निर्माण-कार्य का व्योरेवार डिजाइन और इसके नक्शे अनुमोदन के लिए राज्य सरकार को भेजे जा चुके हैं। राज्य सरकार से इन आयोजनाओं और इनकी अनुमानित लागत का अनुमोदन और अपने हिस्से का खर्च देने की स्वीकृति मिलते ही यह काम शुरू कर दिया जायेगा।

#### भिलड़ी रानीवाड़ा लाइन

१७३७. { श्रीमती चावड़ा :  
श्री वाडीवा :

क्या रेलवे मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या भिलड़ी और रानीवाड़ा रेलवे स्टेशनों (ब्रांच लाइन, उत्तर रेलवे) के बीच किराया दर मुख्य लाइन के किराये दर से दुगनी है ; और

(ख) ये दरें कब से चालू हैं ; और कब तक चालू रहेंगी ?

रेलवे मन्त्रालय में उपमन्त्री (श्री सै० वें० रामस्वामी) : (क) रानीवाड़ा-भिलड़ी सेक्शन पर यात्रियों से बढ़ायी हुई दूरी के आधार पर किराया लिया जाता है। यह वृद्धि वास्तविक दूरी पर ६० प्रतिशत है।

(ख) रानीवाड़ा-भिलड़ी सेक्शन पर प्रभार्य दूरी (chargeable distance) में यह वृद्धि ११-११-५७ से की गयी है, जब यह लाइन यातायात के लिए खोली गयी।

प्रभार्य दूरी में यह वृद्धि संभवतः तब तक कायम रखनी पड़े जब तक कि इस सेक्शन पर यातायात पर्याप्त मात्रा में विकसित न हो

जाय और सामान्य भाड़ों और किरायों के आधार पर इस लाइन से आमदनी न होने लगे।

#### Flag Railway Station at Kalyanpur

1738 Shri B. N. Kureel: Will the Minister of Railways be pleased to refer to the reply given to Unstarred Question No. 1087 on the 6th March, 1961, and state the progress since made in regard to the opening of a Flag Railway Station at Kalyanpur between Lachhmanpur and Unchahar Railway Stations in District Rae Bareli (U.P.)?

The Deputy Minister in the Ministry of Railways (Shri S. V. Ramaswamy): The finalisation of land acquisition proceedings is in progress.

#### अखिल भारतीय गोवर्धक सेवा संघ

१७३६. { श्री प० ला० बरूपाल :  
श्री रामचन्द्र उलाका :  
श्री रतन लाल :  
श्री धुलेश्वर मीना :

क्या खाद्य तथा कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) अखिल भारतीय गोवर्धक सेवा संघ को भारत सरकार की ओर से सन् १९६० से १९६३ तक प्रति वर्ष कितनी आर्थिक सहायता दी गई ;

(ख) क्या उक्त संघ ने राजस्थान के बीकानेर जिले में गायों की नस्ल सुधारने और दूध उत्पादन में वृद्धि करने के सम्बन्ध में सरकार के सामने कोई योजना पेश की है और यदि हाँ, तो यह योजना किस प्रकार की है ; और

(ग) इस योजना पर कितने रुपये खर्च किये जायेंगे ?

खाद्य तथा कृषि मन्त्रालय में उपमन्त्री (श्री अ० म० धामस) : (क) से (ग). अखिल भारतीय गोवर्धक सेवा संघ ने भारत

सरकार को कोई योजना नहीं भेजी है और न उनको १९६० से १९६३ तक कोई अनुदान दिया गया है। फिर भी राजस्थान सरकार से यह पूछा गया है कि क्या बीकानेर जिले में इस नाम का कोई संघ है और यदि है तो क्या राज्य सरकार ने उनको कोई सहायता दी है। सूचना उपलब्ध होने पर मन्त्र की पटल पर रख दी जायेगी।

### Trans-Himalayan Highway

**1740. Shri Maheswar Naik:** Will the Minister of Transport be pleased to state:

(a) the progress of construction of the trans-Himalayan Highway connecting the three Himalayan States of Punjab, Himachal Pradesh and U.P.;

(b) the estimated cost of the project;

(c) the manner in which the cost is to be apportioned between the Centre and the States concerned; and

(d) when the Highway is likely to be completed?

**The Minister of Shipping in the Ministry of Transport (Shri Raj Bahadur):** (a) to (d). Presumably the Hon'ble Member is referring to the news item which appeared in some papers on the 25th August, 1963 indicating that a Trans-Himalayan Highway was being constructed by the Governments of Uttar Pradesh, Punjab and Himachal Pradesh connecting Badrinath in Uttar Pradesh with Shipki in Himachal Pradesh for the development of the backward areas of the Central Himalayan region. The news item further added that the project was to be financed by the Union Government.

The Government of India have not sponsored any such project nor have they any such scheme under consideration, although they are assisting the State Governments concerned to develop certain individual roads in this region to meet the local needs.

1158 (Ai) LSD—4.

### उत्तर प्रदेश में उद्यान विकास

१७४१. श्री भक्त दर्शन : क्या खाद्य तथा कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) उद्यान विकास के लिये १९६२-६३ में उत्तर प्रदेश की सरकार को कितना अनुदान व ऋण दिया गया ;

(ख) उस सहायता का वहां की राज्य सरकार ने कहां तक उपयोग किया ; और

(ग) १९६३-६४ में इस के लिये उत्तर प्रदेश सरकार को कितना अनुदान व ऋण देने का निश्चय किया गया है ?

खाद्य तथा कृषि मन्त्रालय में राज्य मन्त्री (डा० राम सुभय सिंह) : (क) १९६२-६३ में उद्यान विकास के लिए उत्तर प्रदेश सरकार को ३,८८,४०० रुपये अनुदान के रूप में दिए गए। ऋण के रूप में कोई धन-राशि नहीं दी गई।

(ख) १९६२-६३ में अनुदान के रूप में दी गई राशि में से राज्य सरकार ने ३,१०,१०६ रुपये का उपयोग किया।

(ग) १९६३-६४ में अनुदान और ऋण के रूप में दी जाने वाली राशि नीचे दी गई हैं :—

अनुदान: ४,५५,७०० रुपये  
ऋण: , कुछ नहीं।

### Agricultural Training in Mexico

**1742. Shri Shree Narayan Das:** Will the Minister of Food and Agriculture be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the Government of Mexico have offered to give free training in agriculture to Indians at its National University of Agriculture; and

(b) if so, the precise nature of the offer received?